भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
जनसंदेश टाइम्स
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 13.07.2019

भारत में स्टार्टअप वर्षों से वैसी ही दशा में

पीसी

आईआईटी बीएचयू के प्रेसवार्ता में बोले पीटर वान

वाराणसी। भारत के स्टार्टअप के साथ अनुभव किया है कि कुछ स्टार्टअप के रूप में वर्षों से कार्य कर रहे हैं, फिर भी स्टार्टअप की श्रेणी में ही हैं। जबकि विकसित देशों में ज्यादा से ज्यादा 6 महीने या एक साल तक ही आप स्टार्टअप की श्रेणी में रहेंगे। उसके बाद आपको सक्रिय रूप में मान लिया जाता है। विकसित देशों में स्टार्टअप को अपने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए मानक स्थापित करने होते हैं जो बहुत ही चुनौतीपूर्ण है। जहाँ तक मेरा अनुभव है स्टार्टअप को चुनौतियों से भरा हुआ और अपने लक्ष्य के प्रति महत्वाकांक्षी होना चाहिए।

यह बातें आईआईटी बीएचयू के इनक्यूबेटर महामना एग्री बिजनेस इनक्यूबेटर द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नीदरलैंड के पीयूएम के वरिष्ठ विशेषज्ञ पीटर वान ने कही। वह शुक्रवार को आईआईटी बीएचयू में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने आगे बताया कि विदेशों में स्टार्टअप निर्माण एवं नवाचार का रूप है, जबकि भारत में यह उत्तरजीविता का साधन है। आगे यह भी बताया कि भारतीय स्टार्टअप/ इनक्यूबेटर तथा अन्य देशों के स्टार्टअप में अगर अन्तर देखा जाए तो यह प्रकार्य के स्तर पर न होकर विकासशील (उभरती) अर्थव्यवस्था व विकसित अर्थव्यवस्था का है। जहां भारत मे स्टार्टअप का अर्थ रोजगार सृजन है, वहीं विकसित देशों में स्टार्टअप स्वतंत्र रूप से अपने सपनों को पूरा करने का माध्यम है।

आईआईटी में इसकी स्थापना महामना एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन आईआईटी बीएचयू की ओर से आरकेवीवाई (आरकेवीवाई-आरएएफटीएएआर) योजना के अंतर्गत स्थापित किया जा रहा है। इस संबंध में महामना एग्री बिजनेस इनक्यूबेटर के मुख्य पर्यवेक्षक प्रो.प्रदीप कुमार मिश्र की ने नीदरलैंड के पीयूएम द्वारा सहयोग का प्रस्ताव किया गया था। इसके लिए पीयूएम नीदरलैंड द्वारा वरिष्ठ विशेषज्ञ पीटर वान को 30 जून 2019 को आइआइटी बीएचयू भेजा गया। इसके तहत उन्होंने दो सप्ताह के वर्कशॉप के बाद वह शुक्रवार को अपराह 1 बजे पत्रकारों से अपने अनुभवों और विश्व भर में इनक्यूबेशन सेन्टर के स्थापना के बारे में अपने विचार प्रकट किये।

कार्यक्रम में पीटर वान और प्रो.पीके मिश्रा